

साथ तथा कृषि उपमंत्री (श्री ए० ए० बालस) : (क) श्री (ख) पूछी हुई जानकारी नीचे दी गई है —

कार्म का नाम	सेठों की संख्या	सब तक व्यय की गई राशि
शीप ब्रीडिंग फार्म तारादेवी (शिमले के पास)	१६०	६७,०००
शीप ब्रीडिंग फार्म, सराहन (महासू जिला)	३००	१,२१,०००
कुल दो फार्म	४६०	२,१८,०००

धालू का व्यापार

४२० श्री पद्म देव क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री ११ सितम्बर १९५७ के ताराकित प्रश्न संख्या १६७३ के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) हिमाचल प्रदेश सहकारी विकास सच, लिमिटेड को धालू के व्यापार में कितनी हानि हुई है, और

(ख) केन्द्रीय सरकार ने क्षतिपूर्ति के तौर पर उसे कितनी सहायता दी ?

खाद्य और कृषि उपमंत्री (श्री ए० ए० बालस) (क) लगभग ६ लाख रुपये।

(ख) केन्द्रीय सरकार ने कोई सहायता नहीं दी है।

Prevention of Accidents

421. Shri Jhulan Sinha: Will the Minister of Railways be pleased to state

(a) whether the attention of Government has been drawn to a letter to the Editor published in the "Times of India" Bombay Edition dated the 4th December, 1957 under the caption "Train Accidents" offering suggestion for avoidance of accidents, and

(b) if so, whether the suggestion referred to in the letter is being examined by the Railway Experts as to its feasibility and effectiveness?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan) : (a) Yes

(b) It has been examined and found to be technically impracticable

जापानी ढग से धान की खेती

४२२. { श्री खुशबख्त गाय
श्री बानी रेड्डी

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) गत पाच वर्षों में प्रति वर्ष जापानी ढग में धान की खेती कितना एकड़ भूमि में की गई,

(ख) उक्त प्रकार से खेती करने में धान का उत्पादन उपरान्त पाच वर्षों में प्रति वर्ष कितना बढ़ा, और

(ग) उक्त प्रकार से धान की खेती के प्रचार पर इन पाच वर्षों में प्रति वर्ष कितना व्यय हुआ ?

खाद्य और कृषि उपमंत्री (श्री ए० ए० बालस) (क) से (ग) जानकारी का विवरण नत्बी कर दिया गया है। [दृष्टिसे परिशिष्ट २, अनुबन्ध संख्या ७५]